JULY 2021

S	M	T	W	T	F	S
				1	2	3
4	5	6	7	8	9	10
11	12	13	14	15	16	17
18	19	20	21	22	23	24
25	26	27	28	29	30	31

09.02.2022

BA (Hons)

Dr Deepak Kumar Rajak
Assistant professor (Guest)
S.R.A.P College, Bara chakiya champaran

गुप्तकालीन समाज का मूल्यांकन:-

उत्तर:- गुप्तकालीन समाज एक जटिल संरचना पर आधारित था। ब्राह्मणवादी पुनरोत्थान तथा जनजातीय तत्वों के आत्मसातीकरण ने गुप्त समाज के स्वरूप को अत्यधिक जटिल बना दिया था।

(1) विभिन्न व्यवसायिक समूहों का जाति के रूप में ढलना तथा जातियों से उपजातियों का विकास।

(2) ब्राह्मणवादी पुनरोत्थान के कारण वर्ण-विभाजन पर बल दिया जाना।

(3) वैश्यों की सामाजिक दशा में तुलनात्मक रूप में गिरावट एवं शूद्रों की दशा में तुलनात्मक रूप में सुधार।

(4) यद्यपि समकालिन साहित्य में महिलाओं का आदर्श चित्र उपस्थित किया गया है किन्तु व्यवहारिक रूप में महिलाओं की सामाजिक दशा में गिरावट

(5) इस काल में दास व्यवस्था कमजोर पड़ने लगी। क्योंकी नारद ने दास मुक्ति का अनुष्ठान किया है

(6) इस काल में न केवल अछूतों की संख्या में विस्तार हुआ वरन् उनकी दशा भी स्थिति पहले की तुलना में और भी हीन हो गयी

09. 02. 2022

B.A (Hons)

Dr. Deepak kumar Rajak
Assistant professor (Guest)
S.R.A.P College, Bara Chakiya.

* मुगलो का राजनीतिक विस्तार *

Ans:- बाबर ने 1526 में पानीपत की लड़ाई जीतने के बाद दिल्ली और आगरा पर कब्जा कर लिया। किन्तु उसे वास्तविक सफलता 1527 में खनवा की लड़ाई के बाद मिली। 1528 में उसने चन्देरी के शासक मेदिनीराय को तथा अलवर के शासक हसन खान मेवाती को पराजित किया। 1529 में उसने अफगानों के विरुद्ध घाघरा की लड़ाई लड़ी। फिर 1530 में उसकी मृत्यू हो गयी। हुमायूँ अपनी ही समस्याओं में उलझा रहा उसे राजनीतिक विस्तार का अवसर नहीं मिला। 1532 में उसने दौरा की लड़ाई में पूर्वी अफगानों को पराजित किया। 1535 में उसने गुजरात के शासक बहादुरशाह के विरुद्ध अभियान किया। तथा गुजरात और मालवा को जीत लिया किन्तु 1537 तक ये क्षेत्र उनके हाथो से निकल गए। फिर 1539-40 में वह क्रमशः चौसा एवं कन्नौज की लड़ाई हार गया तथा भारत से बाहर पलायन कर गया। आगे ईरान की सहायता 1545 तक उसने कंधार पर कब्जा किया। 1553 में कामरान को पराजित कर उसने काबुल पर कब्जा किया। 1555 में सिकन्दर शाह को पराजित कर पंजाब पर कब्जा किया तथा 1555 तक उसने दिल्ली और आगरा पर भी कब्जा कर लिया। फिर Jan 1556 में उसकी मृत्यु हो गई।

Date- 10.02.2022

B.A (Hons)

Dr Deepak kumar Rajak
Assistant professor (Guest)
S.R.A.P. College, Bara Chakiya, Champaran

Q- गुप्त साम्राज्य का पतन :-

Ans- गुप्त शासकों ने मौर्य साम्राज्यवाद को पुनर्जीवित करने का प्रयास किया। गुप्तों के अधीन न केवल उ० भारत के एक बड़े क्षेत्र को संगठित किया गया वरन् गुप्त सैनिकों ने दक्कन क्षेत्र तक सफल अभियान किए किन्तु अन्ततोगत्वा कुछ मूलभूत कमजोरियों के कारण गुप्त साम्राज्य का विघटन हो गया।

1. केन्द्रापसारी शक्तियों की प्रबलता - राज्य का चरित्र सामंती हो गया था आगे अधीनस्थ शासकों व सामंतों ने केन्द्र की कमजोरी का लाभ उठाया और वह स्वतंत्र होते चले गये

(2.) भूमि अनुदान के कारण राज्य का राजस्व आधार कमजोर हो गया तथा विघटनकारी तत्वों को प्रोत्साहन मिला।

(3). इस काल में वाणिज्य व्यापार, मुद्रा अर्थव्यवस्था एवं नगरीकरण को झटका लगा जिसके कारण साम्राज्य का अधिक ह्रास हुआ।

(4). हूणों के आक्रमण ने विघटन की प्रक्रिया को और भी तीव्र कर दिया। छठी सदी के उत्तरार्द्ध में तोरमाण का उत्तराधिकारी मिहिरकुल हुआ। 532 ई० के लगभग गुप्तों का मालवा स्थित एक प्रान्तपति यशोधर्मन ने हूणों को पराजित किया तथा उन्हें और की ओर खदेड़ दिया फिर भी गुप्त साम्राज्य के विघटन की प्रक्रिया को रोक नहीं पाए

Date:- 10. 02. 2022
B.A (Hons)

Dr Deepak Kumar Rajak
Assistant professor (Guest)
S.R.A.P College, Bara chakiya, champaran

मुगलों का राजनीतिक विस्तार - (क्रमशः)

Ans:- 1556 में अकबर का सिंहासनारोहण हुआ तथा पानीपत की दूसरी लड़ाई के पश्चात् उसकी स्थिति सुदृढ़ हुआ। 1556 और 1560 के बीच जब वह बैरम खान के संरक्षण में था तब उसने अजमेर ग्वालियर और जौनपुर को जीता। 1561-62 में उसने मालवा को जीता। 1561-62 में उसने मेड़ता विजय की, 1567 में उसने चित्तौड़ का अभियान किया। 1569 में उसने रणथम्भौर के शासक को समर्पण के लिए मजबूर किया। 1569-70 में बीकानेर, जैसलमेर तथा जोधपुर के शासकों ने उसके समक्ष समर्पण कर दिया। 1572-73 में उसने गुजरात को जीता। 1576 हल्दीघाटी के युद्ध में महाराणा प्रताप पराजित हुआ। 1585 में काबुल को जीत लिया। 1586 में कश्मीर पर अकबर का कब्जा हो गया। 1591 में सिंध की विजय हुई। 1592 में बलुचिस्तान को जीत लिया। 1592 में ही उड़ीसा पर कब्जा किया गया। 1595 में कंधार पर अकबर का कब्जा हो गया। दक्षिण में 1600 ई० तक उसने बरार और बालाघाट को जीता तथा 1601 में खानदेश को जीत लिया। 1605 में अकबर की मृत्यु हो गई। अकबर के उत्तराधिकारी जहाँगीर ने 1605 और 1627 के बीच शासन किया। उसके काल में राजनीतिक विस्तार की दृष्टि से कोई महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल नहीं हुई।